अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

विषय – प्राकृतिक फार्मा

संकाय – आयुर्वेद संकाय

(नियम, परीक्षा योजना, अंक योजना एवं पाठ्यक्रम)

सत्र 2020 – 2021

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

अधिकतम अंक -100
आंतरिक मूल्यांकन -30 विषय – प्राकृतिक फार्मा पत्रोपाधि (डिप्लोमा) उत्तीर्णांक -40
लिखित परीक्षा -70 प्रथम पेपर – आयुर्वेद परिचय एवं स्वास्थ्य शिक्षा

1. आयुर्वेद परिचय लक्षण, आयुर्वेद का प्रयोजन।
2. अष्टांग आयुर्वेद एवं लधुत्रयी,वृहत्रयी तथा प्रत्येक विभाग के ख्याति प्राप्त ग्रंथ।
3. स्वास्थ की परिभाषा, त्रिसूत्र, चतुष्पाद, त्रिस्तंम्भ, त्रिउपस्तम्भ।
4. दोष, धातु, मल, अग्नि का सामान्य परिचय, परिभाषा, प्रकार एवं लक्षण।
5. विभिन्न वैज्ञानिक शब्दों का परिचय।
   द्रव्य (स्थावर, जांगम, पार्थिव) विविध औषध (दैवव्यपाश्रम सत्वावजय) प्रकोप, प्रशमन, द्विविध औषधि (शोधन शमन), (ऋतु) आदान काल एवं विसर्ग काल, हंसोदक, देश (जांगल आनूप साधारण) सामान्य विषेश सिद्धांत, पंचमहाभूत, देह प्रकृति एवं मानस प्रकृति पथ्य एवं अपथ्य।
6. औषधि सेवनकाल, अनुपान एवं इसका महत्व।
7. आयुर्वेद का पत्र–पत्रिकायें।
8. स्वास्थ्य की परिभाषा, एवं अवधारणा।
9. स्वास्थ्य एवं आहार।
10. व्याधि उत्पत्तिकर भाव।
11. स्वस्थवृत्त।
12. संक्रामक रोग एवं उनकी रोकथाम।
13. आदर्श ग्रह, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता का सामान्य ज्ञान।
14. मातृ एवं शिशु कल्याण, प्रसवपूर्व एवं प्रसवोत्तर कर्म, टीकाकरण, परिवार कल्याण एवं परिवार नियोजन।
15. मासपेशियों एवं अस्थियों का परिचयात्मक एवं व्यावहारिक ज्ञान।
   मांसपेशियोंः– डेल्टॉयड, बाइसेप्स एवं ट्राइसेप्स अस्थियों फीमर, टीबिया, फिबुला, हूयूमरस, रेडियस अलना।
   शिरायें :– जुगलर वेन, फीमोरल वेन, सुपीरियर आरिथ वेनाकावा, इन्फीरियर वेनाकेवा
   धमनियांः–रेडियल एवं कोरोनही आर्टरी
16. श्वसन संस्थान, रक्तवह, संस्थान, पासन/ मूत्रवह एवं प्रजनन संस्थान एवं वातबह संस्थान नर्वस सिस्टम का सामान्य परिचय व ज्ञान।
17. नाड़ी रक्तचाप, श्वसन, श्वसनगति, तापमान एवं शलाका से मूत्र निर्गमन, इन्टेक एवं आउटपुट चार्ट की व्यवसथा का सामान्य परिचय एवं ज्ञान।

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

उत्तीर्णांक - 40

अधिकतम अंक - 100 विषय – प्राकृतिक फार्मा पत्रोपाधि (डिप्लोमा)

प्रायोगिक

1. सद्उपक्रम।
2. पंचकर्म पूर्व प्रधान एवं पश्चात्कर्म का सामन्य परिचय।
3. क्षार सूत्र चिकित्सा सामान्य परिचय।
4. व्याधि की परिभाषा एवं प्रकार, चिकित्सा की परिभाषा, प्रकार इसका विवरण।
5. दैनिक अभ्यास में प्रयुक्त होने वाले यंत्रों का सामान्य ज्ञान।
6. रुग्ण का परिचय

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

विषय – प्राकृतिक फार्मा पत्रोपाधि (डिप्लोमा)

अधिकतम अंक - 100
आंतरिक मूल्यांकन - 30
लिखित परीक्षा - 70

उत्तीर्णांक - 40

पेपर द्वितीय – द्रव्यगुण विज्ञान

1. द्रव्यगुण का सामान्य परिचय एवं प्रमुख ग्रंथो (निघटटुओं) का ज्ञान।
2. द्रव्य रस, गुण बीर्य, विपाक एवं प्रभाव का सामान्य परिचय।
3. बृहत्त्रयी एवं आधुनिक मतानुसार द्रव्यों का वर्गीकरण।
4. द्रव्यों का पाच्चभौतिकत्व, मधुरादि रसों के गुणधर्म।
5. निम्नलिखित वैज्ञानिक भाब्दों का प्रारम्भिक ज्ञान :–
   दीपन, पाचन, अनुलोमन, संसन, भेदन, रेचन, वमन, ग्राही, स्तंभन, लेखन, बाजीकरण, रसायन, व्यवाय, विकाशी, मदकारी, प्रमाथी, अभिश्यन्दी, योगवाही।
6. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञानः–
   छशमूल, पंचवल्कल, त्रिफला, त्रिकुटा त्रिमद, त्रिजात, चातुजार्त, पंचकोल, पंचगत्य, शडुशण, तृणपच्चमूल, कण्टकपंचमूल, अप्टवर्ग जीवनीयगण, दुग्धवर्ग, चतुर्विध, स्नेह, मूत्रवर्ग चतुराम्ल, पंचॉम्लाद।
7. ऋतुओं के अनुसार द्रव्यों का संग्रह, द्रव्यों का महत्व एवं प्रतिनिधि द्रव्य।
8. द्रव्यों की संग्रह विधि, संग्रहित द्रव्यों से औषधी द्रव्य को निकालकर उनका संग्रहीकरण औषधी द्रव्यों की पहचान का उपद्रव्यों से अलगाव की विधि।
9. औषधिय पौधों का संवर्धन
10. निम्नलिखित द्रव्यों का परिचय, पर्याय एवं औषधीय गुणकर्मः–

1. कण्टकारी	2. कण्टकारी	3. शालपार्णी
4. प्रनिपणी	5. गोक्षुर	6. पाटला
7. बिल्व	8. अग्निमथ	9. श्योनाक
10. गंभारी	11. हरीतकी	12. आमलकी
13. शुण्ठी	14. मरिच	15. पिप्पली
16. चित्रक	17. पिप्लीमुल	18. वट
19. अश्वत्थ	20. पारसपीपल	21. उदुम्बर
22. प्लक्ष	23. शिरीश	24. नीम
25. तुलसी	26. कुमारी	27. शतावरी
28. आपमार्ग	29. वलाचतुष्क	30. अजुल
31. शंखपुष्पी	32. शरपुंखा	33. आरग्वध
34. एरण्ड	35. स्नुही	36. अर्क
37. निंबु	38. निर्गण्डी	39. भूनिम्ब
40. भृंगराज	41. नागरमोथा	42. दूर्वा
43. धान्यक	44. गुंडूची	45. कुटज
46. धातकी	47. मधूक	48. पुनर्नवा

Scanned with CamScanner

49. अजमोदा	50. अतिविसा	51. अश्वगंधा
52. अम्लिका	53. पर्पटक	54. पलाश
55. पाठा	56. प्रियाल	57. वचा
58. बदर	59. मेथिका	60. मूलक
61. मदनफल	62. कम्पिलक	63. वत्सनाभ
64. विडंग	65. हरिद्र	66. सकुल
67. शाल्मली	68. सर्पगंधा	69. भोफालिका
70. शोभांजन	71. सर्पगंधा	72. भौफालिका
73. शिंशपा	74. कपित्थ	75. लज्जालु
76. काकमाची	77.मसूली.	78. नारीकेल
79. मंजिष्ठा	80. मधुयश्टी	81. भृंगराज
82. ब्राहमी	83. मण्डूकपर्णी	84. पुश्करमूल
85. एला	86. पारसीक यवानी	87. खदीर
88. कटुकी	89. गोरखमुंडी	90. अहिफेन
91. पाषाणभेद	92. बाकुची	93. वासा
94. विदारी	95. भल्लातक	96. अशोक
97. चंदन	98. लवंग	99. स्वर्णक्षीरी
100. जटामासी	101. त्वक्	102.तालीस पत्र
103. दाडिम	104. द्राक्षा	105. धतुर
106. कुश्माण्ड	107. अलाबू	108. शिम्बी
109. कुश्माण्ड	110. भूरण	111. किरातिक
112. शतपुष्पा	113. इन्द्रयव	114.ज्योतिष्मति
115. काकाड़ाश्रंगी	119. गुग्गलु	120. जातिफल
121. करवीर	122. कपीकच्छु	123. दुग्धिका
127. विजयसार	125. कुपीलू	126. गुंजा

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

विषय – प्राकृतिक फार्मा पत्रोपाधि (डिप्लोमा)

अधिकतम अंक-100 उत्तीर्णांक - 40

प्रायोगिक

1. निघण्टु ग्रंथो का सामान्य परिचय।
2. औषधीय द्रव्यों का प्रायोगिक ज्ञान।
3. मधुरादि रसों की उपलब्धि।
4. औषधीय पौधों से दुग्ध एकत्रीकरण, औषधियों को भुश्क करने की विधि। औषधीय की संग्रह विधि एवं विशाक्त द्रव्यों का परिचय।
5. उपरोक्त वर्णित औषधीय द्रव्यों का मूल, त्वक एवं कन्द की पंचेन्द्रिय परीक्षा के साथ प्रायोगिक ज्ञान।
6. औषधीय पौधो का संवर्धन।

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

विषय – प्राकृतिक फार्मा पत्रोपाधि (डिप्लोमा)

अधिकतम अंक - 100 उत्तीर्णांक - 40

आंतरिक मूल्यांकन - 30

लिखित परीक्षा - 70

पेपर तृतीय – रसशास्त्र

1. रसशास्त्र का परिचय, रस एवं रस क पर्याय, रसशास्त्र में रस का महत्व रसोशधियां।
2. महारस, उपरस एवं साधारण रस का परिचय एवं स्वरूप रस का शोधन, अशुद्ध सेवन जन्य विकार, धान्याभ्रक।
3. धातु उपधातु एवं मण्डूर का परिचय एवं स्वरूप मण्डूर शोधन की सामान्य एवं विशिष्ट विधियां।
4. निम्न द्रव्यों का परिचय एवं स्वरूप
   मुक्त, प्रवाल, शंख, गोदन्ती, बदरा म,समुद्रफेन, कुक्कुटण्डतवक टंकण, मृगश्रृग्डू।
5. निम्नलिखित यंत्रों का परिचय एवं उपयोगह :-
   तुला, खल्व, उलूखल, पालिका, स्थाली, ढोला, डमरू, कुदुक, स्वेदनी, विद्याधर कच्छप, त्रिविधपातन, बालुका, भूधर, पाताल, संधिबंधन, कपड़मिटटी।
6. पुट परिचय एवं उपयोग, सामान्य उपयोग विधि एवं पुटपाक में आधुनिक तकनीक का प्रयोग।
7. निम्नलिखित वैज्ञानिक भाब्दों का सामान्य ज्ञानः-
   स्वांगगीत, बहिगीत, ढालन, आवाज, निर्वाप, सत्व, वनौशधि सत्व, लवण,पंचक,क्षारत्रय,क्षारपंचक पंचामृत,पंचगव्य,पंचाज,पंचमाहिश, पंचमृतिका,ककसास टक,द्रुति,द्रावणगण, दुग्धवर्ग,मूशा,मूत्रमार्ग,मुद्रा, कोश्ठी
8. शोधन का परिचय एवं उद्देश्य।
9. मारण परिचय एवं उद्देश्य मृत लौह परीक्षा।
10. रस का ग्राह्य एवं अग्राह्य स्वरूप, अशुद्ध पारदजन्य विकार एवं भांति के उपाय, रसदोष, रस गति, पारद शोधन के समय द्रव्यगत एवं भारीरगत सावधानिया।
    शोधन की सामान्य एवं विशेष विधियां, अश्टसंस्कारों का सामान्य परिचय, हिंगुलोत्थ पारद एवं इसका महत्व।
11. हिंगु एवं गुग्गुल के कुछ योगों का परिचय एवं निर्माण विधि।
12. निम्नलिखित द्रव्यों के शोधन, मारण प्रयोग एवं प्रत्येक के कुछ योगों का परिचय प्रवाल,शंख,शुक्ति,कपर्दिका,स्फटिका,दुग्धपाषाण,गोदन्ती,बदराशम,.समुद्रफेन कुक्कुटाण्डतवक भृगश्रृंग टंकण का शोधन एवं सामान्य प्रयोग।
13. पिस्टी कल्पना परिचय, निर्माण विधि, सामान्य प्रयोग एवं प्रत्येक के कुछ योगी प्रवाल, मुक्ताशुक्ति,जहरमोहरा,अकीक।
14. खल्वीय रसायन,कुपीपक्व रसायन.पर्पटी रसायन,पोटली रसायन।

Scanned with CamScanner

15. मर्च्छना, सगन्ध, निर्गन्ध, साग्नि निरग्नि, अत्तधूर्म बाल जारंणा।
16. कज्जली, रसर्पटी,पंचामृत पर्पटी, बोल पर्पटी, भवेत पर्पटी, रस सिंदूर,ताम्रासिंदूर,मल्ल सिंदूर समीरपन्नग तलस्थ स्वर्णबंग,रसकर्पूर। उपरोक्त सभी की निर्माण विधि एवं प्रयोग तथा कुछ योगों का परिचय।
17. अभ्रक, माक्षिक,कासीस,हरताल के मारण का वर्णन एवं सामान्य प्रयोग,कुछ योग एवं लोहितीकरण।
18. निम्न द्रव्यों के मारण, सामान्य प्रयोग एवं कुछ योगों का वर्णन जैसे स्वर्ण, रजत,लौह,ताम्र,मण्डूर,अमृतीकरण भानूपाक, स्थालीपाक,पुटपाक,समानाथी ताम्रभस्म का विवरण।
19. नाग,वंश एवं यशद का जारण एवं मारण। इसके कुछ योगों का सामान्य प्रयोग।
20. निम्न का परिचय, निर्माण विधि एवं सामान्य प्रयोग द्रावक कल्प शंखद्राव, गंधकद्राव।

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

अधिकतम अंक-100 विषय – प्राकृतिक फार्मा पत्रोपाधि (डिप्लोमा) उत्तीर्णांक-40

प्रायोगिक

1. सैद्धान्तिक भाग में उल्लिखित समस्त द्रव्यों का प्रदर्शन, पहचान एवं प्रायोगिक ज्ञान
2. सधिबन्धन, कपड़मिटटी कूपीपक्व ।
3. यंत्रों का प्रदर्शन एवं उनका आदर्श निर्माण।
4. विभिन्न पुटों का प्रदर्शन।
5. कंदुक यंत्र एवं डमरू यंत्र का विधि से हिंगुलोत्थ पारद प्राप्ति।
6. पारद का सामान्य एवं विशेश शोधन।
7. महारस उपरस एवं साधारण रस का भोजन धान्याभ्रक।
8. धातु,मण्डूर का सामान्य एवं विशेश भोजन।
9. हिंगु एवं गुग्गुल का भोजन।
10. निम्न का शोधन एवं मारण प्रवाल, भांख, शुक्ति,कपर्द,स्फटिका दुग्धपाशाण, गोदन्ती,बदरा,समुद्रफेन, कुक्कुटाण्डतवक् एवं टंकण।
11. प्रवाल पिश्टी एवं मुक्तापिश्टी निर्माण।
12. निम्नलिखित द्रव्यों का शोधन,वत्सनाभ,जयपाल,धतूरीबीज,भंगा,कुचला,अहिफेन, भल्लातक, अर्क. गुंजा एवं करवीरमूल।
13. खलवीय रस रसायन, कज्जली, प्रवाल,पंचामृत रस.नवजीवन रस,सप्तामृत लौह।
14. पर्पटी कल्पना–रस पर्पटी, पंचामृत पर्पटी,बोले पर्पटी भवेत पर्पटी।
15. कूपीपक्व रसायन– रस सिंदूर ताम्रसिंदूर, समीरपन्नग, तलस्थ स्वर्ण रसकर्पूर।
16. अभ्रक,माक्षिक,कासीस, एवं हरताल का मारण।
17. रजत, लौह,ताम्र एवं मण्डूर का मारण, नाग, वंग एवं यशद का जारण एवं मारण, त्रिवंग भस्म, सोमनाथी ताम्र भस्म।
18. शंखद्राव, गंधकद्राव।
19. स्वरस–आर्द्रक स्वरस, कुमारी स्वरस,वासा, पुटपाक।
20. कल्क– रसोन, निम्बपत्र।
21. क्वाथ – त्रिफला, गोक्षुर,बबूल,त्वक् मुस्तादि,प्रमथ्या,षडंग, पानीय, अर्जुन क्षीरपाक, रसोन क्षीरपाक, उष्णोदक।
22. शीत हिम धान्यक, अम्रता, तण्डूलोदक, चूर्णोदक।
23. फाण्ट– पंचकोल सूदर्शन चूर्ण।
24. पथ्य कल्पनायें:– मण्ड,वाट्य मण्ड,लाजामण्ड,पेया, विलेपी,यवागू कृताकृतयुष,भक्त कृशरा, चिंचापाक,रागशाडव स्वड मांसरस, बेसवार, घोल, मथित, तक उदशित्क,छाछित ,दधिकूर्चिका तक्कूर्चिका।

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

अधिकतम अंक-100 विषय – प्राकृतिक फार्मा पत्रोपाधि (डिप्लोमा) उत्तीर्णांक-40
आंतरिक मूल्यांकन-30
लिखित परीक्षा-70

पेपर चतुर्थ – भेषज्यकल्पना, भेसल्यकल्प एवं वितरण, भेशज्य भाला प्रबंधन

1. भैषज कल्पना का परिचय प्रशस्त भेषज,चतुश्पाद में भेषज का महत्व, औषध का मानवीकरण (Genral knowledge about drug standarization patent)
2. कल्पना–संस्कार एवं उनकी सर्वीयता अवधि, निर्मित औषधियों का भंडारण एवं सरक्षण, अनुक्त की अवस्था में अर्थग्रहण, पुनरुक्त, लैशक्ति , Drug sholder's (Saprate विषारी औषध द्रव्य)
3. मान का महत्व, विभिन्न मानों का परिचय एवं उनका मीट्रिक पद्धति में रूपांतरण शुष्क एवं आर्द्र द्रव्य ग्रहण विधि, मात्रा एवं औषधि मात्रा।
4. स्वरस की परिभाषा, निर्माण विधि, पुटपक्वस्वरसविधि, आर्द्र द्रव्याभाव स्वरस निर्माण विधि सामान्य सेवन मात्रा, प्रक्षेप, द्रव्य, स्वरस, योगों के कुछ उदाहरण।
5. कल्क की परिभाषा, निर्माण विधि, सामान्य सेवन मात्रा, प्रेक्षप एवं कल्क योगों के कुछ उदाहरण।
6. क्वाथ की परिभाषा,निर्माण विधि,सामान्य सेवन मात्रा,प्रक्षेप दव्य, यवकुट एवं क्वाथ योगों के कुछ उदाहरण। प्रमथ्या,औषध,सिद्ध पानीय,क्षीरपाक,लाक्षारस , उष्णोदक।
7. हिम की परिभाषा, निर्माण विधि, सामान्य सेवन मात्रा, प्रक्षेप द्रव्य, हिम योगों के कुछ उदाहरण एवं तण्डूलोदक।
8. फाण्ट की परिभाषा,निर्माण विधि,सामान्य सेवन मात्रा.प्रक्षेप द्रव्य एवं फाण्ट योगों के कुछ उदाहरण।
9. विभिन्न पथ्य कल्पनाए– मण्ड,पेया,विलेपी,यवागू.यूश,कुताकृत औषध सिद्ध यूश,भक्त,कृशरा,मन्थ पानक,रागषाड, काम्बलिका खण्ड, मांस रस, वेशवार घोल मथित तक
10. औषध नामकरण।
11. फार्मेसी में प्रयुक्त आधुनिक मशीनों का ज्ञान।

A.Cutting/ Choping Machine

B. Pulveriser

C.Mixer

D. Grinder

E.Tablet making Machine

F. Tablet cutting Machine

G.Tablet Stripes Packing Machine

Scanned with CamScanner

H-.Julce Pressures {Explorer}

1. Pulpar

J. Granulator

K.Furnace

L. Seiver etc-

12. चूर्ण परिचय,सामान्य चिकित्सोपयोगी मात्रा चूर्ण निर्माण में प्रयुक्त प्राचीन एवं आधुनिक यंत्रोपकरणों का ज्ञान।
13. वाटिका,चक्का,क्टक एवं मोदक की परिभाषा एवं इनकी निर्माण विधि।
14. गुग्गुलु कल्प– परिचय, निर्माण विधि एवं इसके कुछ योग।
वर्ति कल्पना– विभिन्न वर्तियों का परिचय एवं इनका निर्माण।
15. अवलेह कल्पना– परिचय एवं निर्माण विधि, गुड शार्करा पाक, पाक परीक्षा, प्रक्षेप द्रव्य, घनसत्व एवं इसके कुछ योग।
16. खण्ड पाक–परिचय एवं निर्माण विधि।
17. क्षार कल्पना– परिचय एवं निर्माण विधि, कुछ योग,क्षारसूत्र निर्माण विधि।
18. संधान कल्पना– परिचय,आसव,अरिष्ट निर्माण विधि एवं सिद्धि परीक्षा, प्रक्षेप
19. एवं कुछ योग कांजी का परिचय एवं निर्माण विधि तथा प्रयोग।
20. अंजन–त्रिरूप, रसायन,चूर्णाजन एवं इनका महत्व।
21. स्नेह कल्पना का परिचय, स्नेह मूर्च्छना स्नेह पाक विधि प्रकार, प्रयोजन एवं परीक्षा।
22. तैल–तैल विधि।
23. अर्क कल्पना – परिचय निर्माण विधि एवं अर्क के कुछ उदाहरण नेत्रबिन्दु का निर्माण ।
24. लवण कल्पना– परिचय निर्माण विधि एवं कुछ योग।
25. मसीकल्पना– परिचय निर्माण विधि एवं कुछ योग।
26. लेप,उपनाह,एवं मलहर का परिचय निर्माण विधि एवं प्रत्यके कल्पना कुछ उदाहरण।
27. औषधी संरक्षक खाद्य रसायन एवं उनके प्रयोग।
28. भारतवर्ष के प्रमुख औषधी संग्रह, रखरखाव, वितरण एवं मिश्रण विधि का ज्ञान व्यवस्था पत्रक में प्रयुक्त संकेतो का ज्ञान।
29. आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार औषधि मात्रा
30. औषधी मिश्रण वितरण एवं उपस्थाता के कर्तव्यों का परिचयात्मक विवरण।
31. एकल एवं मिश्रण औषधियों का ज्ञान एवं उनके भेद
32. वितरण की विधि।
33. व्यवस्था पत्रक का ज्ञान एवं आदर्श फार्मेसिस्ट द्वारा वितरण इकाई का रख रखाव।
34. व्रण का निर्जीवाणुकरण डेसिंग सूची वेधन पंचकर्म,अंजन,विडालक,एवं आश्च्योतन का तकनीकी ज्ञान।

Scanned with CamScanner

35. गॉज,बेन्डेज,कैची,चाकू,फारसेप्स साधारण एवं दंतयुक्त का निर्जीवाणुकरण एवं यंत्रों का बहिरंग चिकित्सालय में प्रयोग का ज्ञान।
36. व्यावसायिक गणित,आय.व्यय का विवरण,मूल्य निर्धारण, एकाउंटेंसी एवं लेखा परीक्षण।
37. ओद्यौगिक प्रबंधन एवं विपणन का संक्षिप्त ज्ञान।
38. रसशाला की कार्यविधि द्रव्यों का संग्रह संरक्षण एवं विधिवत वर्गीकरण औषधि का ज्ञान।
39. औषधि अनुज्ञप्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया का ज्ञान।
40. बैंक लोन
41. फार्मेसी परिचलन हेतु वार्षिक परियोजना।

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

अधिकतमअंक-100 विषय – प्राकृतिक फार्मा पत्रोपाधि (डिप्लोमा) उत्तीर्णांक-40

आंतरिक मूल्यांकन-30

लिखित परीक्षा-70

प्रायोगिक

1. चूर्ण सितोपलादि,हिंगवश्टक,बालचतुर्भुदु, दशन संस्कार, गन्धर्व हरीतकी,चूर्णीजन।
2. वटी-
   लवंगादि,मरिच्यादि, संजीवनी रसोनादि, आमपाचन, छर्दिरिपु, कुज्जघन,सूरण वटक, पिप्पालीमोदक।
3. गुग्गुल-त्रिफला, गोक्षुरादि।
4. वर्ति- चन्दोदय, फलवर्ति, वणवर्ति, धूमवर्ति।
5. अवलेह- वासावलेह,च्यवनप्राश,चित्रक हरीतकी, भल्लातक।
6. घनसत्व- रसांजन.एलुआ,गिलोय,गिलोय घन,उदुम्बर सत्व।
7. खंडपाक-हरिद्राखण्ड, सौभाग्य शुण्ठीपाक।
8. क्षार-अपामार्ग, शरपुंखा, क्षारसूत्र, मुदु एवं तीक्ष्ण।
9. संधान- कनकासव,लोहासव,कुत्जारिष्ट,अर्जुनारिष्ट एंव कांजी।
10. धृतमर्च्छना,तैल मर्च्छना,रसोन तैल भृंगराज तैल, जात्यादि तैल, अपामार्ग तैल, तैल, पीड़ा तैल, क्षीरबला तैल, दशपाकी पंचतिक्त धृत शतावरिघृत धृत पंचगव्य घृत, त्रिफलाधृत,पंचक्तिधृत,गुग्गुलु मनः शिलादि घृत।
11. भल्लातक एवं विश्वामित्र कपाल तैल निष्कासन।
12. दशांग लेप,लेप गुटी,अलसी उपनाह,सर्जरस मलहर गंधकाद्यमलहर कम्पिलकादि मलहर सिक्थ तैल भातघौत घृत।
13. गुलाब अर्क, यवानी अर्क।
14. अर्क लवण, नारिकेल लवण।
15. त्रिफला मसी
16. शंखपुश्पी शर्करा।
17. समस्त तकनीकों का प्रायोगिक ज्ञान एवं प्रदर्शन।

Scanned with CamScanner